

11/3/25

पतावली पेश है। आदि. वादी उदा. सम्यक में आदि.
 वादी मय वादी द्वारा उपलब्ध लेख प्र. मय विद्वा का पेश
 कर सम्यक में कोई आदिवादी नहीं. पास्त वाद को
 कभी मित्र माने का विकल्प मिला। वादी की पहचान
 उगरे आदिवादी द्वारा ही गई। जतः कोई आदिवादी
 वादी. पास्त से कोई आदिवादी कभी नहीं रहती है। जतः
 सम्यक को वही कर पर ही मिला पाता है। पतावली
 - लेखक शकार लेखक मयक से मक हो।
 वि. वि. सुभाषा मय।

